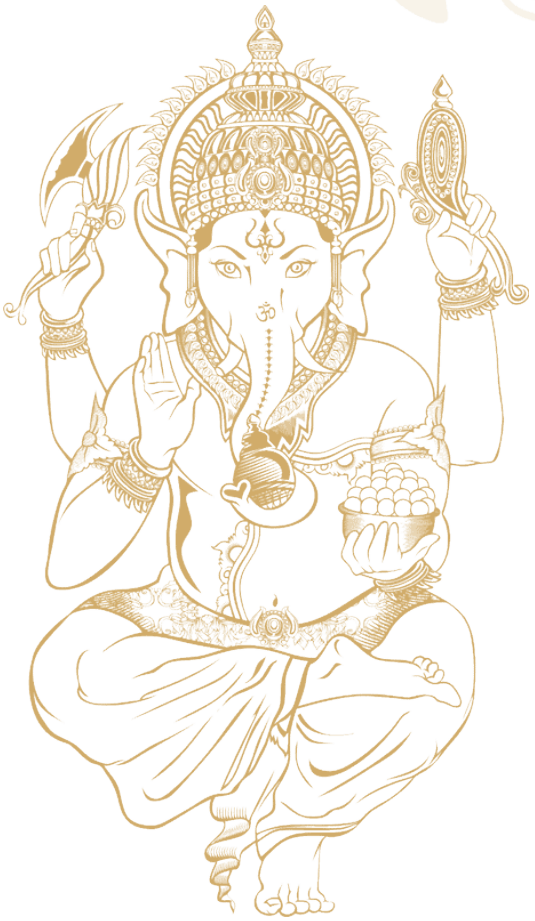

Anjani

10 Mar 1954

04:51 PM

Behror

Model: web-freekundliweb

Order No: 121032702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/03/1954**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:51:00 घंटे**
इष्ट	25:25:18 घटी
स्थान	**Behror**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:52:00 उत्तर
रेखांश	76:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:26:20 घंटे
वेलान्तर	-00:10:31 घंटे
साम्पातिक काल	03:36:43 घंटे
सूर्योदय	06:40:52 घंटे
सूर्यास्त	18:29:47 घंटे
दिनमान	11:48:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	26:08:07 कुम्भ
लग्न के अंश	05:15:44 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	05:15:44	313:28:00	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	26:08:07	00:59:56	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	09:51:43	14:03:12	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			वृश्चि	22:02:10	00:30:03	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	स्वराशि
बुध	व		कुंभ	09:24:03	00:26:51	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु			वृष	24:28:13	00:05:19	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	05:44:23	01:14:45	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि	व		तुला	15:44:55	00:02:07	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		धनु	29:01:00	00:02:23	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	नीच राशि
केतु	व		मिथु	29:01:00	00:02:23	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	नीच राशि
हर्ष	व		मिथु	25:54:36	00:00:55	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	---
नेप	व		तुला	02:22:33	00:01:15	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		कर्क	29:58:28	00:01:18	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
दशम भाव			वृष	03:16:18	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:13:18

लग्न-चलित

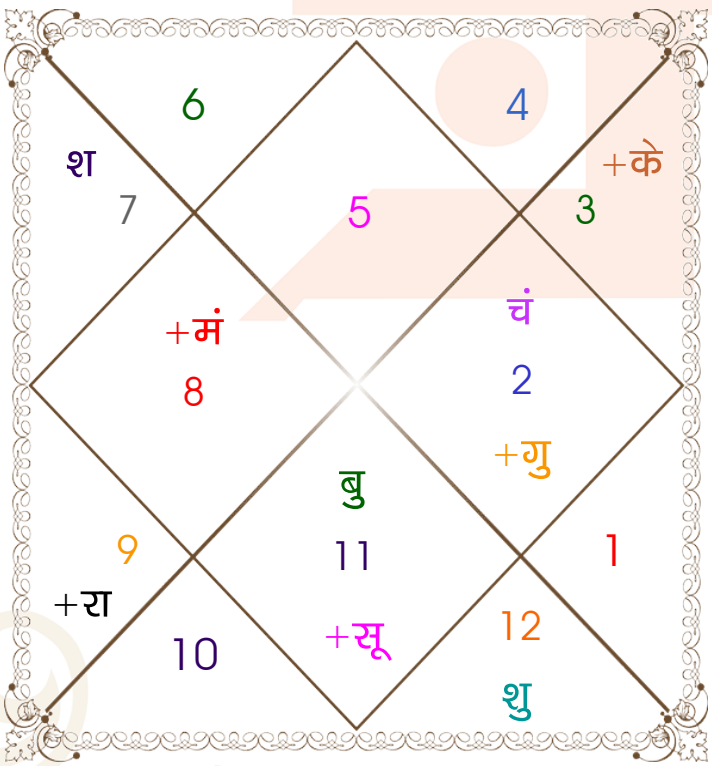

चन्द्र कुंडली

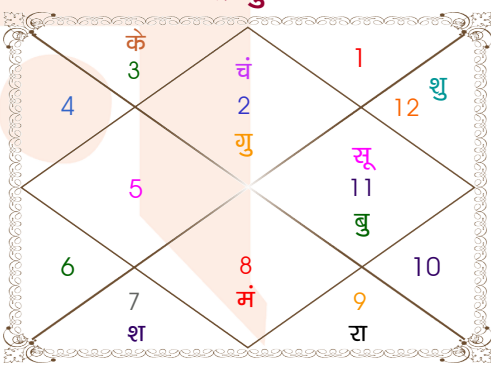

नवमांश कुंडली

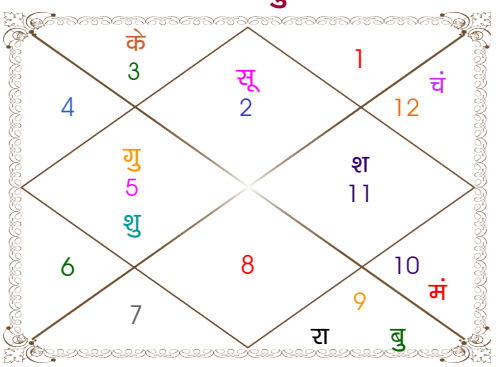

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 0 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/03/1954		02/04/1954		01/04/1964		02/04/1971		02/04/1989	
02/04/1954		01/04/1964		02/04/1971		02/04/1989		02/04/2005	
	00/00/0000	चंद्र	31/01/1955	मंगल	29/08/1964	राहु	13/12/1973	गुरु	21/05/1991
	00/00/0000	मंगल	01/09/1955	राहु	16/09/1965	गुरु	08/05/1976	शनि	01/12/1993
	00/00/0000	राहु	02/03/1957	गुरु	23/08/1966	शनि	15/03/1979	बुध	08/03/1996
	00/00/0000	गुरु	02/07/1958	शनि	02/10/1967	बुध	01/10/1981	केतु	12/02/1997
	00/00/0000	शनि	01/02/1960	बुध	28/09/1968	केतु	20/10/1982	शुक्र	14/10/1999
	00/00/0000	बुध	02/07/1961	केतु	24/02/1969	शुक्र	20/10/1985	सूर्य	01/08/2000
	00/00/0000	केतु	31/01/1962	शुक्र	26/04/1970	सूर्य	13/09/1986	चंद्र	01/12/2001
	10/03/1954	शुक्र	02/10/1963	सूर्य	01/09/1970	चंद्र	14/03/1988	मंगल	07/11/2002
शुक्र	02/04/1954	सूर्य	01/04/1964	चंद्र	02/04/1971	मंगल	02/04/1989	राहु	02/04/2005

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/04/2005		01/04/2024		02/04/2041		01/04/2048		01/04/2068	
01/04/2024		02/04/2041		01/04/2048		01/04/2068		10/03/2074	
शनि	04/04/2008	बुध	29/08/2026	केतु	29/08/2041	शुक्र	02/08/2051	सूर्य	20/07/2068
बुध	14/12/2010	केतु	26/08/2027	शुक्र	29/10/2042	सूर्य	01/08/2052	चंद्र	19/01/2069
केतु	22/01/2012	शुक्र	26/06/2030	सूर्य	06/03/2043	चंद्र	02/04/2054	मंगल	26/05/2069
शुक्र	24/03/2015	सूर्य	03/05/2031	चंद्र	05/10/2043	मंगल	02/06/2055	राहु	20/04/2070
सूर्य	05/03/2016	चंद्र	01/10/2032	मंगल	02/03/2044	राहु	02/06/2058	गुरु	06/02/2071
चंद्र	04/10/2017	मंगल	28/09/2033	राहु	20/03/2045	गुरु	31/01/2061	शनि	19/01/2072
मंगल	13/11/2018	राहु	17/04/2036	गुरु	24/02/2046	शनि	01/04/2064	बुध	25/11/2072
राहु	19/09/2021	गुरु	24/07/2038	शनि	05/04/2047	बुध	31/01/2067	केतु	02/04/2073
गुरु	01/04/2024	शनि	02/04/2041	बुध	01/04/2048	केतु	01/04/2068	शुक्र	10/03/2074

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 0 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगे। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति के प्राणी है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती है। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगे। आप चाहते है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपने मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगे। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगे। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगे कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सके तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने के अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करते रहे तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकते है। यथा आपकी पत्नी तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकते हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करते रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपकी पत्नी को सशंकित करता है। आपको अपने जीवन संगिनी की आशंकों का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन संगिनी के प्रति विश्वघात करेंगे।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहते हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपको शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है। आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।